आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 220 | उज्जैन, सोमवार 30 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

जल संरक्षण का जन आंदोलन बना जल गंगा संवर्धन अभियान-डॉ. मोहन यादव

भोपाल। क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा,पंचतत्व से बना शरीरा रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एकजल, जीवन का आधार है।हमें जीवन के अस्तित्व के लियेजल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है। ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है जो

प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया।यह अभियान जल संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरुकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जलसंरचनाओं पर काम हुआ है। इस अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरूकिया। इसी से प्रेरणा से लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा के एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा। हमने प्रधानमंत्री जी के मिशन लाइफ मंत्र को आत्मसात किया और अपनी जीवन शैली में बदलाव करके पर्यावरण रक्षा का सूत्र हाथ में लिया है। इससे जन-जन में पर्यावरण मित्र के रूप में जीवन जीने की परंपरा निर्मित हुई है।

वो 88 घंटे बयां करते हैं पाकिस्तान के नुकसान की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया गया और संघर्ष के वे 88 घंटे इसके बारे में बहुत कुछ बताते हैं क्योंकि कोई भी स्वाभिमानी राष्ट्र या सशस्त्र बल इतने कम समय में आत्मसमर्पण नहीं करेगा।

यहां आयोजित एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में एकीकृत रक्षा स्टाफ (सीआइएससी) के प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण पटरी पर है।

पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट के उत्पादन को मिली मंजूरी- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में भारत के महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट - उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) के डिजाइन और उत्पादन को मंजूरी दी है। चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के जे-35 स्टेल्थ जेट विमानों की आपूर्ति संबंधी रिपोर्ट के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, हमें इस खबर की जानकारी है और हम इस पर करीबी नजर रख रहे हैं।

केंद्र सरकार ने बढ़ाया CBDT अध्यक्ष का कार्यकाल

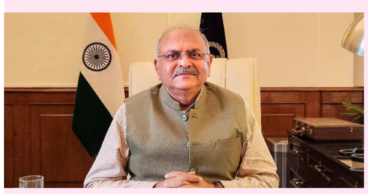

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शनिवार को केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष रवि अग्रवाल का कार्यकाल बढ़ाने का फैसला किया है। उनका कार्यकाल इसी महीने जून 2025 में खत्म होने वाला था।

वहीं, अब केंद्र सरकार ने इसे 1 साल के बढ़ा दिया है। रवि अग्रवाल अब जून 2026 तक CBDT के चेयरमैन पद पर नियुक्त रहेंगे।

1988 बैच के IRS अधिकारी हैं रवि अग्रवाल- CBDT के चेयरमैन रवि अग्रवाल 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी हैं। जून 2025 में वो रिटायर होने वाले थे, मगर अब उनकी सेवा एक साल के लिए बढ़ा दी गई है। केंद्र सरकार के नए आदेश के अनुसार, रवि अग्रवाल जून 2026 में सेवानिवृत्त होंगे।

शनिवार को आदेश जारी करते हुए केंद्र सरकार ने बताया, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने IRS श्री रवि अग्रवाल को दोबारा CBDT का अध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला किया है। उनका कार्यकाल 1 जुलाई 2025 से 30 जून 2026 तक या अगला आदेश आने तक बढ़ा दिया गया है।

आयकर विभाग का हिस्सा है CBDT- बता दें कि रवि अग्रवाल को जून 2024 में केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था। यह बोर्ड आयकर विभाग का अहम हिस्सा है, जो बड़ी नीतियां बनाने का काम करता है।

साइबर अपराधियों ने बनाया बुजुर्ग महिला को शिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट की इस दुनिया में साइबर क्राइम भी धड़ल्ले से बढ़ रहा है। ताजा मामला मुंबई का है जहां पर साइबर अपराधियों ने एक 70 साल की महिला डॉक्टर को अपना निशाना बनाया। महिला को 8 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखते हुए 3 करोड़ रुपये ठग लिए।

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार (28 जून, 2025) को बताया कि साइबर अपराधियों ने एक 70 वर्षीय डॉक्टर से तीन करोड़ रुपये की ठगी की और उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे मामले में शामिल होने का आरोप लगाकर आठ दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखा।

जानें पूरा मामला- मई के महीने में पीड़िता को एक शख्स का फोन आता है और वो खुद को दूरसंचार विभाग का कर्मचारी अमित कुमार बताता है। उसने कहा कि उनके नाम से एक सिम कार्ड खरीदा गया है और इसका इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में हो रहा है।

अधिकारी ने बताया, इसके बाद उसे एक दूसरे शख्स का फोन आया, जिसने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी समाधान पवार बताया। उसने पीड़िता को बताया कि उसके बैंक खाते और डेबिट कार्ड का विवरण एक एयरलाइन कंपनी के मालिक के घर पर छापेमारी के दौरान मिला है, जिसे पहले मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह मेडिकल बेल पर बाहर है।

आरोपी ने उसे कई दस्तावेज भेजे और दावा किया कि ये दस्तावेज सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय और आरबीआई जैसी जांच एजेंसियों के हैं।

8 दिनों तक रही डिजिटल अरेस्ट- अधिकारी ने कहा, पुलिस की वर्दी में एक शख्स ने वीडियो कॉल पर उसके पति से बात की, जिससे उसे मामले के बारे में यकीन हो गया।

ओवैसी ने दिए महागठबंधन के साथ चुनाव लड़ने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं। इस चुनाव को लेकर जहां एक ओर चुनाव आयोग ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है, वहीं; दूसरी तरफ राजनीतिक दलों ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। भले ही चुनावी तारीखों की घोषणा में अभी कुछ महीनों का समय हो, लेकिन इससे पहले ही राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है।

इन सब के बीच एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने एक बड़ा बयान दिया। हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम के मुखिया ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी ने बिहार में महागठबंधन के नेताओं से संपर्क किया है। उनका कहना है कि बिहार में किसी भी कीमत पर आगामी चुनाव में एनडीए को सत्ता में लौटने से रोका जा सके।

महागठबंधन के नेताओं को लेना है फैसला- असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि AIMIM के बिहार के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने महागठबंधन के नेताओं से संपर्क साधा है। उन्होंने महागठबंधन के नेताओं से बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ने में अपनी दिलचस्पी दिखाई है।

ओवैसी ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने महागठबंधन के कुछ नेताओं से बात की है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम नहीं चाहते कि बीजेपी या एनडीए बिहार की सत्ता में वापस आए। अब यह फैसला उन राजनीतिक दलों पर निर्भर है, जो एनडीए को बिहार की सत्ता में लौटने से रोकना चाहते हैं।

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, भीड़ से बिगड़े हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रविवार की सुबह दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी तो व्यवस्था ध्वस्त नजर आई। हालात ये कि मंदिर आने वाले रास्ते में लगे बैरियर पर रोके जाने से श्रद्धालुओं को खासी परेशानी हो रही थी। गर्मी में श्रद्धालुओं को पसीना बहाना पड़ गया। मंदिर के अंदर और बाहर भीड़ के दबाव में हालात बिगड़ गए। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रविवार की सुबह से ही श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि देखने को मिली। मंदिर खुलने के साथ ही श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रांगण में डेरा डाल लिया।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान में क्यों हो रही देरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया में काफी देरी हो चुकी है। ऐसा कहा जा रहा है कि बीजेपी नेतृत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच फिलहाल किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। हालांकि, भगवा पार्टी के सूत्र का कहना है कि जल्द ही इस पर आम सहमति बनने की संभावना है। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव होता है जब पार्टी के कम से कम 19 राज्यों में अध्यक्ष नियुक्त हो चुके हों। अभी तक पार्टी ने 37 में से 14 राज्यों में नए अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। बाकी राज्यों जैसे कि उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में भी जल्द ही नियुक्तियां की जाएंगी।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि 18 राज्यों में जिला अध्यक्षों का चुनाव पूरा हो चुका है या अंतिम चरण में है। अगले कुछ हफ्तों में 19 राज्यों का आंकड़ा पूरा हो जाएगा।

भाजपा के संविधान में सभी स्तरों पर प्रमुखों के चुनाव के लिए एक ही फॉर्मूला तय किया गया है। आधे बूथ अध्यक्षों के चुनाव खत्म होने के बाद, मंडल प्रमुख का चुनाव होता है। आधे मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद, जिला प्रमुखों के लिए रास्ता साफ हो जाता है। जब आधे जिला इकाई अध्यक्षों का चुनाव हो जाता है, तो प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जा सकती है। 37 राज्यों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों के ऐलान के बाद पार्टी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की ओर बढ़ती है। पार्टी और संघ के बीच सहमति बनाने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे चयन में थोड़ी देरी हुई। उम्मीदवार की उम्र, सामाजिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक क्षेत्र को ध्यान में रखा जा रहा है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाई जा रही है। कुछ नाम जो चर्चा में हैं वे वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं, इसलिए कैबिनेट में संभावित फेरबदल की भी बात की जा रही है।

बीजेपी सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जुलाई के दूसरे सप्ताह में विदेश यात्रा से लौटने के बाद पार्टी नए अध्यक्ष की घोषणा कर सकती है।

पार्टी ने इस बीच महाराष्ट्र, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं।

भाजपा के नए अध्यक्ष के सामने कई चुनावी चुनौतियां होंगी। नए अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी को आगामी चुनावों का सामना करना है, जिनमें 2025 में ही होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव। इसके बाद 2026 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम विधानसभा चुनाव शामिल हैं।

पहलगाम अटैक के बाद भारत का एक्शन अब तक पाक को दे रहा जख्म! मालवाहक जहाजों पर बैन से हो रहा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए तो जख्म दिया ही, साथ में कई तरह के प्रतिबंध लगाकर आतंकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। भारत ने पाकिस्तान से आने वाले माल के साथ-साथ पाकिस्तानी माल ले जाने वाले जहाजों की भी अपने बंदरगाहों पर एंट्री बैन कर दी, जिसकी वजह से इसकी शिपिंग कॉस्ट बढ़ गई और माल ढुलाई में भी देरी हो रही है। डॉन अखबार ने रविवार को बताया कि पाकिस्तानी आयातकों ने कहा कि भारतीय प्रतिबंध के कारण शिपिंग का समय बढ़ गया है और माल ढुलाई शुल्क भी बढ़ गया है। कराची चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष जावेद बिलवानी ने कहा, भारत की इस कार्रवाई के कारण मुख्य जहाज पाकिस्तान नहीं आ रहे हैं, जिससे हमारे आयात में 30 से 50 दिनों की देरी हो रही है।

बीमा लागत में भी हुआ इजाफा - उन्होंने कहा कि आयातक अब फीडर जहाजों पर निर्भर हो रहे हैं, जिससे लागत बढ़ जाती है। निर्यातकों ने भारत की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद शिपिंग और बीमा लागत में भी वृद्धि की बात कही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि निर्यात पर कुल मिलाकर प्रभाव न्यूनतम है। टेक्सटाइल मेड-अप्स के निर्यातक आमिर अजीज ने कहा, ÷एक्सपोर्ट पर कोई खास असर नहीं पड़ा है, सिवाय बीमा लागत में वृद्धि के। शिपिंग कॉस्ट पहले ही बढ़ चुकी थी।÷

भारत ने 200 प्रतिशत तक बढ़ाया आयात शुल्क - पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के व्यापारिक संबंध खराब हो गए, जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान से आयातित सभी वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाकर 200 प्रतिशत कर दिया।

6 साल के बच्चे से मिली 18 करोड़ रुपये की ड्रग्स, मॉरीशस में ब्रिटिश मां-बेटे को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉरीशस में ड्रग्स बरामदगी के मामले में एक 6 साल के ब्रिटिश लड़के को हिरासत में लिया गया। आरोप है कि उसके सूटकेस में 14 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बच्चे को रविवार को सर शिवसागर रामगुलाम हवाई अड्डे पर सात अन्य लोगों के साथ हिरासत में लिया गया।

द टेलीग्राफ के मुताबिक, ये ग्रुप कथित तौर पर 161 किलोग्राम से ज्यादा गांजा ले जा रहा था, जिसकी कीमत 1.6 मिलियन पाउंड (लगभग 18.8 करोड़ रुपये) आंकी गई। इन लोगों ने गांजे को अपने सूटकेस के अंदर सामान में छिपाकर रखा हुआ था। हिरासत में लिए गए सभी लोग ब्रिटिश नागरिक थे, जिसमें ये बच्चा भी शामिल था। इसके सामान में क्लियर सिलोफन में लिपटे ड्रग्स के 24 पैकेट पाए गए।

बच्चे के साथ उसकी मां को भी लिया गया हिरासत में - ये ग्रुप गैटविक से ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान से मॉरीशस के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा, जहां इसे रोक लिया गया। लड़के की मां को भी गिरफ्तार किया गया और उसके बैग में भी 17 किलो गांजा छिपा हुआ था। एक संदिग्ध के बारे में बताया गया कि वह ब्रिटेन में रहने वाला एक रोमानियाई है। उसके पास कथित तौर पर गांजे के 32 पैकेट थे।

होटलों में अधिकारियों की छापेमारी - ड्रग्स का यह जखीरा कस्टम्स एंटी-नारकोटिक्स सेक्शन और एंटी-ड्रग एंड स्मगलिंग यूनिट द्वारा हवाई अड्डे पर संयुक्त अभियान के दौरान बरामद किया गया। अधिकारी इस समूह को यूरोप से मॉरीशस तक ड्रग्स की तस्करी करने वाले संगठित अपराध नेटवर्क का हिस्सा मान रहे हैं।

अधिकारियों ने ब्रिटिश नागरिकों वाले होटलों पर भी कई छापे मारे, क्योंकि पुलिस को सुराग मिला था कि कुछ विदेशी यात्री ड्रग्स ले जा रहे हैं। तलाशी के दौरान इन जगहों पर कुछ नहीं मिला और कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

हालांकि इस बच्चे को अपने बैग में रखी चीजों के बारे में पता नहीं था। उसे बुधवार को वापस ब्रिटेन भेज दिया गया और वह अपने पिता के साथ रह रहा है।

ईरान के हमले से इजरायल को बचाने के लिए अमेरिका ने फूंक दिए लाखों डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान से संघर्ष के दौरान अमेरिका ने इजरायल की रक्षा में अपने लाखों डॉलर फूंक दिए। मिलिट्री वॉच मैगजीन की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक अमेरिका ने अपने उन्नत एंटी-मिसाइल सिस्टम या टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस का 20 फीसदी केवल 12 दिनों के संघर्ष के दौरान खर्च कर दिया।

एक रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल में अमेरिका ने ञ्।।ष्ठ सिस्टम इंस्टॉल किया हुआ है, जिसे 2024 में अमेरिका ने रिफील किया था। बता दें कि ईरान ने इजरायल पर मिसाइलों की बौछार कर दी थी। इसमें गदर, इमाद, खेबर शेकन और फतह-1 जैसी हाइपरसोनिक मिसाइलें शामिल थीं।

1.2 बिलियन डॉलर का खर्च- मैगजीन के मुताबिक, ईरान संघर्ष के दौरान 60-80 इंटरसेप्टर का इस्तेमाल किया गया था। इंटरसेप्टर के एक लॉन्च में 12-15 मिलियन डॉलर की लागत आती है। अगर कुल लागत कैलकुलेट करें, तो यह लगभग 1.2 बिलियन डॉलर होता है। THAAD सिस्टम को ईरान और नॉर्थ कोरिया जैसे देशों को बढ़ती मिसाइल क्षमताओं का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया था।

पाकिस्तान में कांपी धरती, जोरदार भूकंप के झटकों से दहशत में लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 5.2 मापी गई है। दो दिनों पहले भी पाकिस्तान में जोरदार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार की सुबह पाकिस्तान में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप 03ः54 बजे (भारतीय मानक समय) 150 किलोमीटर की गहराई पर आया।

एएनआई, इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 5.2 मापी गई है। दो दिनों पहले भी पाकिस्तान में जोरदार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार की सुबह पाकिस्तान में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप 03ः54 बजे (भारतीय मानक समय) 150 किलोमीटर की गहराई पर आया।

शादी के लिए अमेरिका पहुंची युवती लापता, भारत में रिश्तेदारों को तलाश रही पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की एक युवती सिमरन अमेरिका में लापता हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि युवती की उम्र करीब 24 साल है और वह अरेंज मैरिज के लिए अमेरिका आई थी। 20 जून को वह भारत से न्यू जर्सी पहुंची थी। यहीं उसे आखिरी बार देखा गया था। लिंडनवॉल्ड पुलिस को उसके लापता होने की जानकारी 5 दिन बाद बुधवार को मिली। सीसीटीवी फुटेज में जांच करने पर पता चला कि वह लगातार अपना फोन चेक रही थी। ऐसा लग रहा था कि वह किसी का इंतजार कर रही थी। लेकिन अधिकारियों ने ये भी कहा कि वह परेशान नहीं दिख रही थी।

इंग्लिश बोलना नहीं जानती सिमरन- पुलिस के मुताबिक, सिमरन को इंग्लिश नहीं आती और अमेरिका में उसका कोई जानने वाला भी नहीं रहता है। उसके पास जो फोन है, वह केवल वाई-फाई के जरिए ही काम कर सकता है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, पुलिस को अभी तक सिमरन के भारत में मौजूद किसी रिश्तेदार के बारे में भी जानकारी नहीं हो पाई है।

अधिकारियों को ये भी शक है कि शायद सिमरन शादी के लिए अमेरिका आई ही नहीं थी, बल्कि वह इसके माध्यम से अमेरिका की फ्री हवाई यात्रा करना चाहती थी। हालांकि अभी तक उसके बारे में कोई अन्य सुराग नहीं मिल पाया है।

सिमरन की हाईट 5 फीट 4 इंच है और उसका वजन लगभग 68 किलोग्राम है। उसके माथे की बाईं तरफ एक छोटा निशान है। आखिरी बार उसे ग्रे स्वेटपैंट, सफ़ेद टी-शर्ट, काले फ्लिप-फ्लॉप और हीरे जड़े छोटे झुमके पहने देखा गया था।

विस्फोटकों से लदी गाड़ी लेकर सैनिकों के काफिले में घुसा हमलावर, पाकिस्तान में आत्मघाती हमले से दहशत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने रविवार (29 जून, 2025) को पाकिस्तानी सेना के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया कि वजीरिस्तान में हुए आत्मघाती हमले के पीछे भारत का हाथ था। एक दिन पहले हुए इस हमले में 13 सैनिक मारे गए थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा, हमने पाकिस्तानी सेना का एक आधिकारिक बयान देखा है, जिसमें 28 जून को वजीरिस्तान पर हुए हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया गया है। हम इस बयान को पूरी अवमानना के साथ खारिज करते हैं।

विस्फोटकों से लदी गाड़ी सैन्य काफिले में घुसा दी- शनिवार (28 जून, 2025) को एक आत्मघाती हमलावर ने खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक पाकिस्तानी सैन्य काफिले में विस्फोटकों से लदी गाड़ी घुसा दी। द डॉन न्यूज की रिपोर्ट में इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक बयान का हवाला देते हुए बताया गया कि इस हमले को फितना-अल-खवारिज ने अंजाम दिया था, जिसमें 13 सैनिक मारे गए।

उत्तरी वजीरिस्तान जिले के एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को सैन्य काफिले में घुसा दिया। विस्फोट में 13 सैनिक मारे गए, 10 सैन्यकर्मी और 19 नागरिक घायल हो गए।

12 दिन की जंग में ईरान और इजरायल को लगी आर्थिक चपत, रिकवरी होने में लगेगा लंबा वक्त

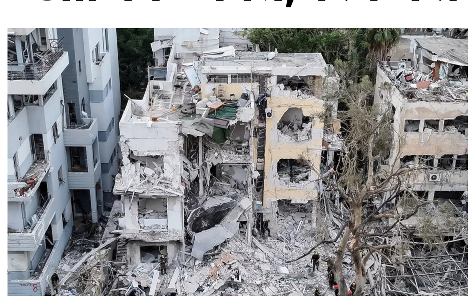

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल व ईरान में फिलहाल युद्ध विराम हो गया है लेकिन 12 दिन की इस जंग में दोनों देशों को लंबी चपत लगी है। दोनों देशों को इस त्रासदी से उबरने में लंबा वक्त लगेगा। इजरायल की ओर से युद्ध में कूदे अमेरिका को भी झटका लगा है लेकिन पश्चिम एशिया में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए वह यह भार आसानी से उठा सकता है।

ईरान ने युद्ध में अपने जीडीपी का लगभग छह से नौ प्रतिशत तक खो दिया- कुछ अनुमानों के अनुसार, ईरान ने युद्ध में अपने जीडीपी का लगभग छह से नौ प्रतिशत तक खो दिया है। रक्षा विश्लेषक क्रेग ने बताया कि ईरान का कुल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान 24 से 35 अरब डॉलर के बीच हो सकता है। अमेरिका और इजराइल के हमलों ने ईरान के बुनियादी ढांचे को बुरी तरह तहस-नहस कर दिया है।

इसे दुरुस्त करने में लंबे वक्त के साथ अरबों डॉलर का खर्च आएगा। ईरान के तेल निर्यात भी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों से प्रभावित हुए हैं। इससे देश की रिकवरी की गति और भी कम हो सकती है क्योंकि यह तेल निर्यात पर बहुत निर्भर है।

ईरानी मिसाइलों से इजरायल को तीन अरब डॉलर का नुकसान- एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी मिसाइलों से इजरायल को करीब तीन अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए आवश्यक धन और स्थानीय व्यवसायों को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि शामिल है।

महिला का मर्डर कर बोरे में ठूंसा शव और कचरे वाले ट्रक में फेंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के शव को एक बोरी में भरकर कचरा ढोने वाले ट्रक में फेंक दिया गया। महिला की उम्र 30 से 35 साल बताई जा रही है और इसकी पहचान नहीं हो पाई है।

पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी ऑटो-रिक्शा में आते और बोरी को कचरा ढोने वाले ट्रक में फेंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हत्यारों की तलाश कर रही है। चन्नम्मानकेरे अच्चुकट्टू पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

जानें, पुलिस ने क्या कहा - बेंगलुरु के संयुक्त पुलिस आयुक्त सी वामसी कृष्णा ने कहा कि बोरी को रात 1 से 3 बजे के बीच कचरा ट्रक में फेंका गया था। उन्होंने कहा, ÷महिला के हाथ और गर्दन बंधे हुए थे और शव एक बोरी में था। (बेंगलुरु सिविक बॉडी) बीबीएमपी स्टाफ ने हमें शव के बारे में सूचना दी। हमने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रहे हैं।

कुछ सप्ताह पहले ही हुई थी 33 साल की महिला की हत्या - यह घटना बेंगलुरु में 33 साल की विवाहित महिला की चौंकाने वाली हत्या के कुछ सप्ताह बाद हुई है। दो बच्चों की मां हरिनी आर की कथित तौर पर यशस (25) नाम के एक तकनीकी विशेषज्ञ ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी, जिसके साथ उसका प्रेम संबंध था।

तेलंगाना में मोबाइल से जुए में पैसा लगा रहे युवा, प्रतिबंध के बावजूद राज्य में ऑनलाइन सट्टेबाजी बेरोकटोक जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजकल ऑनलाइन जूआ खेलना ट्रेंड बन गया है जिसे देखो ऑनलाइन सट्टेबाजी में पड़कर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहा है। पब्लिक रिस्पॉन्स अगेंस्ट हेल्पलेसनेस एंड एक्शन फॉर रिड्रेसल (प्रहर), एक गैर सरकारी संगठन द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, तेलंगाना में ऑनलाइन जुए और सट्टेबाजी में शामिल अधिकांश लोग 18 से 25 वर्ष की आयु के हैं।

शुक्रवार को तेलंगाना में एनजीओ प्रहर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में ऑनलाइन बेटिंग एंड गैंबलिंग को लेकर लोगों को जागरूक किया गया और तेलंगाना में सर्वेक्षण भी किया गया जिसके बारे में बात की गई। पिछले छह हफ्तों में किए गए इस सर्वेक्षण में राज्य भर के 2,761 सट्टेबाजों को शामिल किया गया।

इसमें पाया गया कि सट्टा लगाने वाले अधिकांश उत्तरदातानिम्न आय वर्ग से आते हैं, जिनमें से लगभग 38% की मासिक आय 15,000 रुपये से कम है। अध्ययन प्ले स्टोर पर उपलब्ध ऐप्स के साथ-साथ टेलीग्राम पर उपलब्ध लिंक या सोशल मीडिया पर विज्ञापनों के माध्यम से सट्टेबाजी प्लेटफार्मों तक पहुंचने वाले उपयोगकर्ताओं पर केंद्रित था।

प्रेमी के साथ रिश्तों के बीच आ रहा था पति, पत्नी ने कर दी हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक से पति की हत्या का एक मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। इतना ही नहीं मामले को दबाने के लिए उसके शव को 30 किमी. दूर जाकर फेंका।

घटना 24 जून, 2025 की है, जो तुमकुरु जिले के टिपटूर तालुका के कदाशेट्टीहल्ली गांव में घटी। बताया गया कि महिला के पति शंकरमूर्ति की उम्र 50 साल थी और वो अपने घर से दूर एक फार्महाउस में अकेले रहता था। उसकी पत्नी सुमंगला तिपुर के एक गर्ल्स हॉस्टल में कुक का काम करती थी और कथित तौर पर उसका चक्कर करदालुसंते गांव के रहने वाले नागराजू के साथ चल रहा था।

अवैध संबंधों के बीच आ रहा था पति तो कर दी हत्या - सुमंगला और उसके प्रेमी नागराजू ने कथित तौर पर शंकरमूर्ति को खत्म करने की साजिश इसलिए रची, क्योंकि उन्हें लगा कि शंकरमूर्ति उनके रिश्ते के बीच में आ रहा था। पुलिस ने बताया कि घटना वाले दिन सुमंगला ने अपने पति शंकरमूर्ति की आंखों में पहले तो मिर्ची डाली, उसे डंडों से पीटा और फिर उसकी गर्दन पर पैर रखकर बड़ी ही बेरहमी से मार डाला।

राजस्थान के भरत में मिट्टी का बड़ा हिस्सा ढहने से 4 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के भरतपुर जिले में मिट्टी का एक हिस्सा ढह जाने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने रविवार (29 जून, 2025) को यह जानकारी दी।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), स्थानीय पुलिस और नागरिक सुरक्षा की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव कार्य बिना किसी देरी के शुरू हो गया है।

भरतपुर के कलेक्टर ने की घटना की पुष्टि - भरतपुर के जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, कुल 6 लोगों को बचा लिया गया है। चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। दो और लोगों के हताहत होने की सूचना मिली है। दो का इलाज चल रहा है।

उन्होंने आगे कहा, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और नागरिक सुरक्षा दल घटनास्थल पर हैं। प्रभावित लोगों की कुल संख्या का आकलन किया जा रहा है।

पिछले 24 घंटे में हुई झमाझम बारिश- भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून राज्य के ज्यादातर हिस्सों में आगे बढ़ चुका है, जिसकी वजह से राजस्थान में पिछले 24 घंटों में ताजा बारिश हुई। जयपुर में मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी हिमांशु शर्मा ने बताया कि सूरतगढ़ जिले में 70 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि राजधानी में 113 मिमी बारिश दर्ज की गई।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून का इंतजार समाप्त हो गया है। राजधानी दिल्ली में मानसून दो दिन की देरी के साथ 29 जून को पहुंच गया। वहीं, देश के बाकी हिस्सों में सामान्य तिथि 8 जुलाई से नौ दिन पहले पहुंच गया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मानसून के पहुंचने के साथ ही बारिश का दौर शुरू हो गया है। बारिश के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। देश के कई राज्यों में भारी बारिश ने लोगों को जहां एक ओर राहत दी है, तो वहीं कुछ जगहों पर जलजमाव के कारण फजीहत का सामना करना पड़ रहा है।

इन राज्यों में पहुंचा मानसून- भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, साल 2020 के बाद पहली बार है, जब मानसून ने समय से पहले देश के विभिन्न हिस्सों में एंट्री ली है। एक बयान में आईएमडी ने बताया कि मानसून आज, 29 जून 2025 को राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के शेष हिस्सों और पूरी दिल्ली में आगे बढ़ गया है। बयान में बताया गया कि अगले सात दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

इन राज्यों में बारिश की संभावना- भारतीय मौसम विज्ञान ने कहा कि 29 और 30 जून को झारखंड के कुछ इलाकों में और 29 जून को ओडिशा में अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है।

बता दें कि मानसून आम तौर पर 1 जून तक केरल में दस्तक देता है। वहीं, 8 जुलाई तक पूरे प्रदेश को कवर करता है। मानसून 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से पीछे हटना शुरू होता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है।

समय से पहले केरल में मानसून ने दी दस्तक- जानकारी दें कि इस साल मानसून ने 24 मई को केरल में दस्तक दे दी। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के ऊपर मजबूत निम्न दबाव प्रणालियों के समर्थन से, मानसून अगले कुछ दिनों में तेजी से आगे बढ़ा, और 29 मई तक मुंबई और पूरे पूर्वोत्तर सहित मध्य महाराष्ट्र तक के क्षेत्रों को कवर कर लिया।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर बड़ा अपडेट

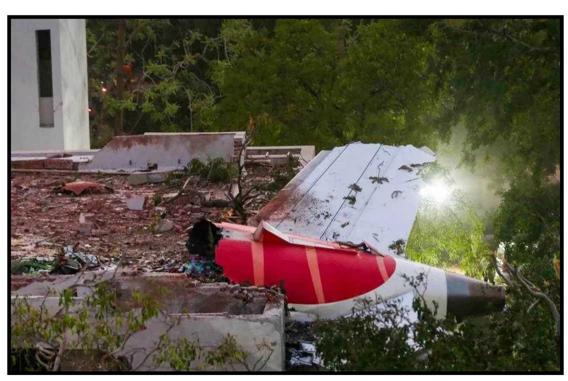

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद प्लेन क्रैश को 15 दिन से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आई है। नागरिक उड्डयन मंत्री मुरलीधर मोहोल के अनुसार, इस घटना में कुल 274 लोगों की मौत हुई थी।

प्लेन का ब्लैक बॉक्स AAIB के पास है, जिसे डिकोड करने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, अब इस मामले में तोड़फोड़ की भी जांच की जा रही है।

एनडीटीवी से बातचीत के दौरान मुरलीधर मोहोल ने कहा, ÷प्लेन क्रैश बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। AAIB ने इसकी जांच शुरू कर दी है। सभी एंगल से मामले की जांच की जा रही है, इसमें तोड़फोड़ का एंगल भी शामिल है। AAIB सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहा है, जिससे कोई भी सुराग अछूता न रहे। इस जांच में AAIB के साथ कई अन्य एजेंसियां भी शामिल हैं।

मुरलीधर के अनुसार, अहमदाबाद प्लेन क्रैश बहुत ही दुर्लभ घटना है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि प्लेन का दोनों इंजन एक-साथ फेल हो जाए। हम यह भी जानने की कोशिश कर रहे हैं कि फ्लाइट का इंजन फेल था या ईंधन सप्लाई में कोई परेशानी थी? दोनों इंजन ने अचानक एक-साथ काम करना क्यों बंद कर दिया? कहीं विमान के साथ कोई तोड़फोड़ या छेड़छाड़ तो नहीं हुई थी- मुरलीधर मोहोल के अनुसार, प्लेन क्रैश पर जल्दबाजी में कुछ भी कहना गलत होगा। ब्लैक बॉक्स में मौजूद CVR को खंगाला जा रहा है, जिससे पायलट के बीच बातचीत का पता लगाया जा सके। प्लेन क्रैश की रिपोर्ट 3 महीने में सामने आ जाएगी।

विदेश नहीं जाएगा ब्लैक बॉक्सः मुरलीधर मोहोल- ब्लैक बॉक्स को डिकोड करने के लिए विदेश भेजे जाने वाली खबर को भी मुरलीधर मोहोल ने सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि ब्लैक बॉक्स कहीं नहीं जा रहा है। वर्तमान में यह AAIB के पास है। इसे बाहर भेजने की कोई जरूरत नहीं है।

दैनिक हिन्दकुश

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

hindkush.in
24x7 News portal

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण पंचमी

संपादकीय

कोकिला देवी का दरबार भक्त जनों के लिए माता भवानी की ओर से उनकी कृपा की अलौकिक सौगात...

हिमालय की पावन भूमि जनपद पिथौरागढ़ के पांखू नामक क्षेत्र में स्थित कोकिला देवी का दरबार भक्त जनों के लिए माता भवानी की ओर से उनकी कृपा की अलौकिक सौगात है। कोकिला कोटगाड़ी देवी को न्याय की देवी के रुप में प्रतिष्ठा प्राप्त है। जिस किसी को भी कहीं से जब न्याय की उम्मीद नहीं रह जाती है, तो वह कोटगाड़ी देवी की शरण में जाकर न्याय की गुहार करता है, यह भी मान्यता है,कि कोटगाड़ी देवी उसे अवश्य ही न्याय दिलाती है।

कार्यो की सिद्धियों के लिए इनकी शरणागति सब प्रकार से मनोवांछित फल प्रदान करने वाली कही गयी है, मंदिर में फरियादों के असंख्य पत्र न्याय की गुहार के लिए लगते रहते रहे है, दूर-दराज से श्रद्धालुजन डाक द्वारा भी मंदिर के नाम पर पत्र भेजकर मनौती मागते है, तथा मनौती पूर्ण होने पर दर्शन के लिए यहां अवश्य आते है।

यह दंत कथा भी काफी प्रसिद्ध है कि माता के प्रभाव से आजादी के पूर्व अंग्रेजों के शासन काल में एक जज ने जटिल यात्रा कर यहां पहुंचकर देवी से क्षमा याचना की। इसके पीछे कारण बताया जाता है कि क्षेत्र के एक निर्दोष व्यक्ति को जब अदालत से भी न्याय नहीं मिला तो सामाजिक दंश से आहत होकर खुद को निर्दोष साबित करने के लिए करुण पुकार के साथ उसने भगवती कोटगाड़ी के चरणों में विनती की भक्त की। करुण विनती के फलस्वरुप चमत्कारिक घटना के साथ कुछ समय के बाद जज ने यहां पहुंचकर उसे निर्दोष बताया। इस तरह के एक नहीं सैकड़ों चमत्कारिक किस्से देवी के इस दरबार से जुड़े हुए हैं।

हिमालय के देवी शक्ति पीठों में कोकिला माता का महात्म्य सबसे निराला है, सिद्दि की अभिलाषा रखने वाले तथा ऐश्वर्य की कामना करने वाले लोगों के लिए भी यह स्थान त्वरित फलदायक है, देवी के उपासक इन्हें विश्वेश्वरी, चन्द्रिका, कोटवी, सुगन्धा, परमेश्वरी , चण्डिका, वन्दनीया, सरस्वती, अभया प्रचण्डा, देवमाता, नागमाता, प्रभा आदि अनेक नामों से पुकारते है। मंदिर के समीप ही अनेक पावन व सुरम्य स्थल मौजूद है। इस पौराणिक मंदिर में शक्ति कैसे और कब अवतरित हुई इसकी कोई प्रमाणिक जानकारी नहीं हो है ,दंत कथाओं में कई भक्त मानते है, कि यह देवी नेपाल से यहां आई है इनके विश्राम स्थल अनेक स्थानों पर है, जहां नित्य इनकी पूजा होती है। कोट का तात्पर्य अदालत से माना जाता है, पीड़ितों को तत्काल न्याय देने के कारण ही इस देवी को न्याय की देवी माना जाता है, और इसी भाव से इनकी पूजा प्रतिष्ठा सम्पन कराने की परम्परा है। एक अन्य प्राचीन कथा के अनुसार जब योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण ने बालपन में कालिया नाग का मर्दन किया और उसे जलाशय छोड़ने को कहा तो कालिया नाग व उसकी पत्नियों ने भगवान कृष्ण से क्षमा याचना कर प्रार्थना की कि, हे प्रभु हमे ऐसा सुगम स्थान बताये जहां हम पूर्ण रूप से सुरक्षित रह सके तब भगवान श्री कृष्ण ने इसी कष्ट निवारिणी माता की शरण में कालिया नाग को भेजकर अभयदान प्रदान किया था।

कालिया नाग का प्राचीन मंदिर कोटगाड़ी से थोड़ी ही दूरी पर पर्वत की चोटी पर स्थित है जिसे स्थानीय भाषा में काली नाग की चोटी कहते है। बताते है कि पर्वत की चोटी पर स्थित इस मंदिर को कभी भी गरुड़ आर-पार नहीं कर सकते ऐसी परमकृपा है। लोक मान्यताओं के अनुसार किसी ग्वाले की सुन्दर गाय इस शक्ति पर आकर अपना दूध स्वयं दुहाकर चली जाती थी, ग्वाले का परिवार बेहद अचम्भे में रहता था, कि आखिर इसका दूध कहां जाता है।

नागार्जुन

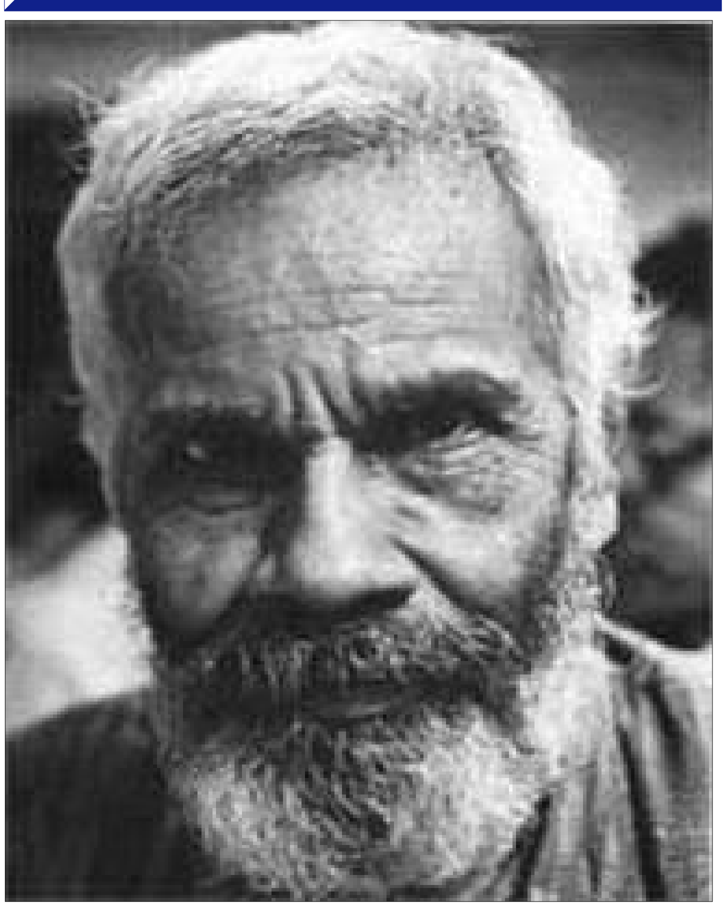

नागार्जुन प्रगतिवादी विचारधारा के लेखक और कवि थे। नागार्जुन ने 1945 ई. के आसपास साहित्य सेवा के क्षेत्र में क़दम रखा। शून्यवाद के रूप में नागार्जुन का नाम विशेष उल्लेखनीय है। नागार्जुन का असली नाम वैद्यनाथ मिश्र था। हिन्दी साहित्य में उन्होंने नागार्जुन तथा मैथिली में यात्री उपनाम से रचनाओं का सृजन किया।

जीवन परिचय- 30 जून सन् 1911 के दिन ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा का चन्द्रमा हिन्दी काव्य जगत् के उस दिवाकर के उदय का साक्षी था, जिसने अपनी फ़क़ीरी और बेबाकी से अपनी अनोखी पहचान बनाई। कबीर की पीढ़ी का यह महान् कवि नागार्जुन के नाम से जाना गया। मधुबनी ज़िले के सतलखा गाँव की धरती बाबा नागार्जुन की जन्मभूमि बन कर धन्य हो गई। 'यात्री' आपका उपनाम था और यही आपकी प्रवृत्ति की संज्ञा भी थी। परंपरागत प्राचीन पद्धति से संस्कृत की शिक्षा प्राप्त करने वाले बाबा नागार्जुन हिन्दी, मैथिली, संस्कृत तथा बांग्ला में कविताएँ लिखते थे। मैथिली भाषा में लिखे गए आपके काव्य संग्रह 'पत्रहीन नग्न गाछ' के लिए आपको साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हिन्दी काव्य-मंच पर अपनी सत्यवादिता और लाग-लपेट से रहित कविताएँ लम्बे युग तक गाने के बाद 5 नवम्बर सन् 1998 को ख्वाजा सराय, दरभंगा, बिहार में यह रचनाकार हमारे बीच से विदा हो गया।

साहित्यिक परिचय- उनके स्वयं कहे अनुसार उनकी 40 राजनीतिक कविताओं का चिरप्रतीक्षित संग्रह 'विशाखा' आज भी उपलब्ध नहीं है। संभावना भर की जा सकती है कि कभी छुटफुट रूप में प्रकाशित हो गयी हो, किंतु वह इस रूप में चिह्नित नहीं है। सो कुल मिलाकर तीसरा संग्रह अब भी प्रतीक्षित ही मानना चाहिए। हिंदी में उनकी बहुत-सी काव्य पुस्तकें हैं। यह सर्वविदित है। उनकी प्रमुख रचना-भाषाएं मैथिली और हिंदी ही रही हैं। मैथिली उनकी मातृभाषा है और हिंदी राष्ट्रभाषा के महत्व से उतनी नहीं जितनी उनके सहज स्वाभाविक और कहें तो प्रकृत रचना-भाषा के तौर पर उनके बड़े काव्यकर्म का माध्यम बनी। अब तक प्रकाश में आ सके उनके समस्त लेखन का अनुपात विस्मयकारी रूप से मैथिली में बहुत कम और हिंदी में बहुत अधिक है। अपनी प्रभावान्विति में 'अकाल और उसके बाद' कविता में अभिव्यक्त नागार्जुन की करुणा साधारण दुर्भिक्ष के दर्द से बहुत आगे तक की लगती है। फटेहाली महज कोई बौद्धिक प्रदर्शन है। इस पथ को प्रशस्त करने का भी मैथिली-श्रेय यात्री जी को ही है।

मैथिली-भाषा आंदोलन- इनके पूर्व तक, मैथिली लेखक-कवि के लिए भले मैथिली-भाषा-आंदोलन की ऐतिहासिक विवशता रही हो, लेकिन कवि-लेखक बहुधा इस बात और व्यवहार पर आत्ममुग्ध ढंग से सक्रिय थे कि 'साइकिल की हैंडिल में अपना चूड़ा-सत्तू बांधकर मिथिला के गांव-गांव जाकर प्रचार-प्रसार करने में अपना जीवन दान कर दिया। इसके बदले में किसी प्राप्ति की आशा नहीं रखी। मातृभाषा की सेवा के बदले कोई दाम क्या मैथिली और हिंदी का भाषिक विचार उनका हू-बहू वैसा नहीं पाया गया जैसा आम तौर से इन दोनों ही भाषाओं के इतिहास-दोष या राष्ट्रभाषा बनाम मातृभाषा की द्वन्द्वात्मकता में देखने-मानने का चलन है।

मार्क्सवाद का प्रभाव- मार्क्सवाद से वह गहरे प्रभावित रहे, लेकिन मार्क्सवाद के तमाम रूप और रंग देखकर वह खिन्न थे। वह पूछते थे कौन से मार्क्सवाद की बात कर रहे हो, मार्क्स या चारु मजूमदार या चे ग्वेरा की इसी तरह उन्होंने जयप्रकाश नारायण का समर्थन ज़रूर किया, लेकिन जब जनता पार्टी विफल रही तो बाबा ने जयप्रकाश को भी नहीं छोड़ा-

खिचड़ी विप्लव देखा हमने
भोगा हमने क्रांति विलास
अब भी खत्म नहीं होगा क्या
पूर्णक्रांति का भ्रांति विलास।

क्रांतिकारिता में उनका जबरदस्त विश्वास था इसीलिए वह जयप्रकाश की अहिंसक क्रांति से लेकर नक्सलियों की सशक्त क्रांति तक का समर्थन करते थे-

काम नहीं है, दाम नहीं है
तरुणों को उठाने दो बंदूक
फिर करवा लेना आत्मसमर्पण

लेकिन इसके लिए उनकी आलोचना भी होती थी कि बाबा की कोई विचारधारा ही नहीं है, बाबा कहीं टिकते ही नहीं हैं। नागार्जुन का मानना था कि वह जनवादी हैं। जो जनता के हित में है वही मेरा बयान है। मैं किसी विचारधारा का समर्थन करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं। मैं ग़रीब, मज़दूर, किसान की बात करने के लिए ही हूं। उन्होंने ग़रीब को ग़रीब ही माना, उसे किसी जाति या वर्ग में विभाजित नहीं किया। तमाम आर्थिक अभावों के बावजूद उन्होंने विशद लेखन कार्य किया।

कृतियाँ- नागार्जुन के गीतों में काव्य की पीड़ा जिस लयात्मकता के साथ व्यक्त हुई है, वह अन्यत्र कहीं नहीं दिखाई देती। आपने काव्य के साथ-साथ गद्य में भी लेखनी चलाई। आपके अनेक हिन्दी उपन्यास, एक मैथिली उपन्यास तथा संस्कृत भाषा से हिन्दी में अनूदित ग्रंथ भी प्रकाशित हुए। काव्य-जगत् को आप एक दर्जन काव्य-संग्रह, दो खण्ड काव्य, दो मैथिली कविता संग्रह तथा एक संस्कृत काव्य 'धर्मलोक शतकम' थाती के रूप में देकर गए। प्रकाशित कृतियों में पहला वर्ग उपन्यासों का है।

उपन्यास

रतिनाथ की चाची (1948 ई.), बलचनमा (1952 ई.), नयी पौध (1953 ई.), बाबा बटेसरनाथ (1954 ई.), दुखमोचन (1957 ई.), वरुण के बेटे (1957 ई.), उग्रतारा, कुंभीपाक, पारो, आसमान में चाँद तारे

मैथिली रचनाएँ

हीरक जयंती (उपन्यास), पत्रहीन नग्न गाछ (कविता-संग्रह)

कविता-संग्रह

अपने खेत में, युगधारा, सतरंगे पंखों वाली, तालाब की मछलियां, खिचड़ी विप्लव देखा हमने, हजार-हजार बाहों वाली, पुरानी जूतियों का कोरस, तुमने कहा था, आखिर ऐसा क्या कह दिया मैंने, इस गुबार की छाया में, ओम मंत्र, भूल जाओ पुराने सपने, रत्नगर्भ

बाल साहित्य

कथा मंजरी भाग-1, कथा मंजरी भाग-2, मर्यादा पुरुषोत्तम, विद्यापति की कहानियाँ

व्यंग्य

अभिनंदन

निबंध संग्रह

अन्न हीनम क्रियानाम

बांग्ला रचनाएँ

मैं मिलिट्री का पुराना घोड़ा (हिन्दी अनुवाद)

इन औपन्यासिक कृतियों में नागार्जुन सामाजिक समस्याओं के सधे हुए लेखक के रूप में सामने आते हैं। जनपदीय संस्कृति और लोक जीवन उनकी कथा-सृष्टि का चौड़ा फलक है। उन्होंने कहीं तो आंचलिक परिवेश में किसी ग्रामीण परिवेश के सुख-दुःख की कहानी कही है, कहीं मार्क्सवादी सिद्धान्तों की झलक देते हुए सामाजिक आन्दोलनों का समर्थन किया है और कहीं-कहीं समाज में व्याप्त शोषण वृत्ति एवं धार्मिक सामाजिक कृतियों पर कुठाराघात किया है। इन सन्दर्भों में नागार्जुन की बाबा बटेसरनाथ रचना उल्लेखनीय एवं परिपुष्ट कृति है। इसमें ज़मींदारी उन्मूलन के बाद की सामाजिक समस्याओं एवं ग्रामीण परिस्थितियों का अंकन हुआ है और निदान रूप में समाजवादी संगठन द्वारा व्यापक संघर्ष की परिकल्पना की गई है। कथा के प्रस्तुतीकरण के लिए व्यवहृत किये जाने वाले एक अभिनव रोचक शिल्प की दृष्टि से भी नागार्जुन का यह उपन्यास महत्वपूर्ण है।

कविता

नागार्जुन की प्रकाशित रचनाओं का दूसरा वर्ग कविताओं का है। उनकी अनेक कविताएँ पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। युगधारा (1952) उनका प्रारम्भिक काव्य संकलन है। इधर की कविताओं का एक संग्रह सतरंगे पंखोंवाली प्रकाशित हुआ है। कवि की हैसियत से नागार्जुन प्रगतिशील और एक हद तक प्रयोगशील भी हैं।

ट्रंप ने लाखों भारतीयों को दी राहत, रेमिटेंस टैक्स घटाकर किया 1%; इस तरह पैसे भेजने पर 0 टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रहकर नौकर कर रहे लाखों भारतीयों के लिए राहत भरी खबर है। इतना ही नहीं इसमें भी अगर कोई भारतीय NRI बैंक खातों, डेबिट या क्रेडिट कार्ड के जरिए पैसे भेजता है तो उसपर 0 टैक्स लगेगा। वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट को संशोधित करके Remittance Tax कम किया गया है। वन बिग ब्यूटीफुल बिल के संशोधित मसौदे में प्रस्तावित पैसे ट्रांसफर करने पर पहले से प्रस्तावित 3.5% टैक्स को घटाकर मात्र 1% कर दिया गया है। ट्रंप सरकार के इस कदम से अमेरिका में रह रहे लाखों भारतीयों को राहत मिली है। यह बिल अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव से पारित हो गया है। सीनेट रिपब्लिकन ने 27 जून को इस बिल का अपडेटेड ड्राफ्ट जारी किया। डिबेट के बाद सीनेट से बिल पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। इस प्रोसेस को 4 जुलाई तक पूरे होने की उम्मीद है।

इस तरह पैसे भेजा तो 1% टैक्स- 27 जून, 2025 को जारी किए गए संशोधित विधेयक के अनुसार रेमिटेंस टैक्स को पहले प्रस्तावित 3.5% से घटाकर मात्र 1% कर दिया गया है। इसमें बैंक खातों, डेबिट या क्रेडिट कार्ड के जरिए अगर पैसे भेजे गए पैसे को इस टैक्स से पूरी तरह छूट दे दी गई है। लेकिन अगर आप नकद, मनी ऑर्डर, कैशियर चेक या अन्य समान भौतिक साधनों के जरिए पैसे भेजते हैं तो आपको इसके लिए 1 फीसदी का टैक्स चुकाना पड़ेगा। लेकिन अगर आप इससे भी बचना चाहते हैं तो आपको अमेरिका में जारी डेबिट या क्रेडिट कार्ड या किसी वित्तीय संस्थान के खाते के माध्यम से पैसे भेजने होंगे।

वन बिग ब्यूटीफुल बिल में संशोधन गैर-निवासी भारतीयों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। लाखों भारतीय अमेरिका में रहकर नौकरी करते हैं और हर महीने अपने परिवार को पैसे भेजते हैं। ऐसे में उनके लिए यह संशोधित बिल राहत भरी सांस लेकर आया है।

भारतीय समुदाय को राहत- अंतरराष्ट्रीय कर विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है।

बांग्लादेश ने अडाणी की पावर को दिए 3200 करोड़ रुपये, अभी भी बाकी हैं 4200 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने जून में बिजली आपूर्ति समझौते के तहत गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी पावर को 384 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है। इतना भुगतान करने के बाद बांग्लादेश ने अडाणी पावर को देने वाले बकाया राशि को और कम कर दिया है। इस भुगतान के साथ, बांग्लादेश ने अडाणी पावर का लगभग 2 बिलियन डॉलर की कुल बिल राशि में से लगभग 1.5 बिलियन डॉलर का निपटान कर दिया है। अभी भी उसे अडाणी पावर को 500 मिलियन डॉलर देने होंगे। अभी पूरी तरह से उसका बकाया खत्म नहीं हुआ है।

सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्ष कोयले की लागत और संयंत्र क्षमता गणना से जुड़े कुछ मुद्दों को सुलझाने के लिए चर्चा कर रहे हैं। बांग्लादेश के 384 बिलियन डॉलर का पेमेंट करने के बाद भारतीय कंपनी के साथ बिजली आपूर्ति समझौते के तहत बकाया राशि में उल्लेखनीय कमी आई।

लेट पेमेंट किया माफ- अडानी ने कथित तौर पर जनवरी-जून अवधि के लिए लेट पेमेंट सरचार्ज को माफ करने पर सहमति व्यक्त की है, जो लगभग 20 मिलियन डॉलर है। बशर्ते बांग्लादेश अपनी भुगतान प्रतिबद्धता बनाए रखे। यानी अगर बांग्लादेश को बिजली चाहिए तो उसे समय-समय पर अपने बिलों का भुगतान करते रहने होगा। इसी शर्त पर अडाणी समूह ने लेट पेमेंट सरचार्ज पर छूट की सहमति व्यक्त की है।

बढ़त के साथ बंद हुआ था बाजार, कैसी रहेगी निफ्टी की चाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 23 जनवरी से शुरू हुए 27 जून तक हुए ट्रेडिंग में इस हफ्ते बाजार की शुरुआत स्थिर रही। लेकिन निफ्टी ने धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ी है। और 25,300 के महत्वपूर्ण रजिस्टेंस के स्तर को पार कर लिया। इतना ही नहीं सप्ताह के अंत में NIFTY ने 2% से अधिक की बढ़त हासिल की और 25,650 के करीब नया हाई स्तर बनाया।

वैश्विक स्तर पर ईरान और इजरायल के बीच हुए संघर्ष विराम के चलते वैश्विक बाजारों में उत्साह बढ़ा, जिसने भारतीय शेयर बाजार में आई इस तेजी को समर्थन दिया। इस तेजी की वजह से NIFTY SMALLCAP 100 में 4% और MIDCAP 100 में 2% से अधिक की बढ़त हुई। यह बढ़त निवेशकों के बढ़ते जोखिम लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। लेकिन सवाल यह है कि अगले हफ्ते निफ्टी की चाल कैसी रहेगी? आइए ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी ग्रुप के इक्विटी रिसर्च के सीनियर मैनेजर जिगर एस पटेल से जानते हैं।

टेक्निकल एनालिसिस के अनुसार क्या रहेगा सपोर्ट और रेजिस्टेंस- आनंद राठी ग्रुप के इक्विटी रिसर्च के सीनियर मैनेजर जिगर एस पटेल के अनुसार अगर निफ्टी फिफ्टी में 25,300 के ऊपर यह ब्रेकआउट एक महीने की स्थिरता के बाद आया है। यह साफ तौर पर बाजार के मूड में बदलाव का संकेत दे रहा है। इसलिए, हमारा पहले का सतर्क या नकारात्मक दृष्टिकोण फिलहाल रुका हुआ है। जिगर एस पटेल के अनुसार आगे देखें तो 25,700-25,900 का क्षेत्र तत्काल रेजिस्टेंस के रूप में काम कर सकता है। इस रेंज के ऊपर मजबूत ब्रेकआउट नई तेजी का रास्ता खोल सकता है।

अब 12 साल में मिलेगी पूरी पेंशन, 8वें वेतन आयोग में सरकार देगी बड़ा तोहफा!

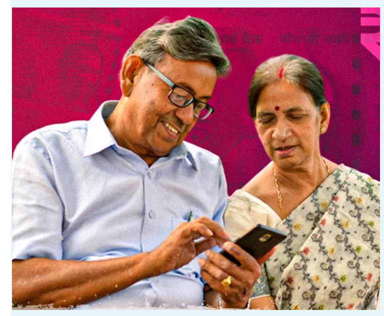

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग में बड़ी राहत दे सकती है। पेंशन कम्यूटेशन को लेकर सरकार बड़ा फैसला ले सकती है। कर्मचारी संघ लंबे समय से कम्यूटेड पेंशन की बहाली का समय 15 साल से घटाकर 12 साल किए जाने की मांग करता आ रहा है। इसे लेकर आयोग अगले साल अपनी सिफारिशें भी दे सकता है। केंद्रीय कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन नेशनल काउंसिल ने केंद्र सरकार को अपनी मांग के बारे में अवगत करा दिया है। उम्मीद की जा रही है कि 8वें वेतन आयोग में पेंशन कम्यूटेशन को भी जगह दी सकती है। इसका सीधा फायदा लाखों पेंशनर्स को होगा।

क्या होती है कम्यूटेड पेंशन- अब यहां पर एक सवाल यह उठता है कि आखिर कम्यूटेड पेंशन होती क्या है? इसको आसान भाषा में समझे तो यह वह एकमुश्त पैसा होता है जो कर्मचारियों की पेंशन का एक हिस्सा होता है। रिटायर होते वक्त कर्मचारियों को एकमुश्त राशि लेने का विकल्प मिलता है। इसे ही पेंशन कम्यूटेशन कहा जाता है। हालांकि, सरकार मंथली पेंशन से कुछ राशि काट लेती है ताकि लमसम राशि की वसूली की जा सके।

चीन के दोस्त बांग्लादेश को भारत ने दिया झटका, इस खास चीज के आयात पर लगाई ये कठिन शर्त; अब क्या करेंगे यूनुस?

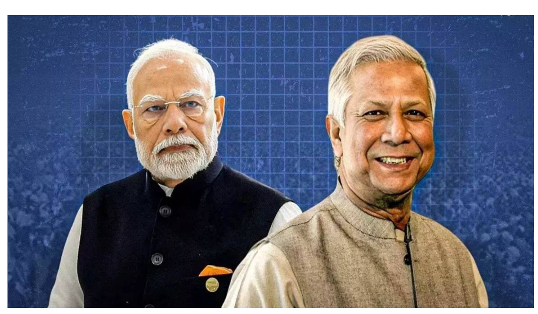

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बांग्लादेश को बड़ा झटका देते हुए सड़क मार्ग के जरिए जूट के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह बैन तत्काल प्रभाव से लगाया गया है। अब सिर्फ समुद्र मार्ग के जरिए वो भी महाराष्ट्र के न्हावा शेवा बंदरगाह के माध्यम से बांग्लादेश में बना जूट भारत तक पहुंच पाएगा।

भारत ने यह कदम अनुचित व्यापार प्रथाओं पर लगाम लगाना और भारत के घरेलू जूट उद्योग को संरक्षण प्रदान करने के लिए उठाया है। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के लिए यह बड़ा झटका है। वह चीन से नजदीकियां बढ़ा रहे हैं। चीन में जाकर भारत विरोधी बातें करते हैं।

भारत के इस कदम से उन्हें इस बात इल्म होगा कि आखिर निकट पड़ोसी से संबंध बिगड़ने का क्या नुकसान हो सकता है। हालांकि, भारत ने घरेलू जूट उद्योग को संरक्षण प्रदान करने के लिए यह कदम उठाया है।

भारत ने बांग्लादेश से जूट आयात पर क्यों लगी रोक - केंद्र सरकार के अंतर्गत आने वाले वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने शुक्रवार देर रात आदेश जारी कर सड़क मार्ग के जरिए बांग्लादेश से आने वाले जूट पर प्रतिबंध लगा दिया। अब सिर्फ समंदर के रास्ते वो भी महाराष्ट्र के न्हावा शेवा बंदरगाह के जरिए ही बांग्लादेश का जूट भारत पहुंच पाएगा।

वाणिज्य मंत्रालय के इस फैसले के तहत देश के सभी स्थल और समुद्री बंदरगाहों पर बांग्लादेशी जूट उत्पादों के आयात पर भी रोक लगा दी गई है।

भारत का कहना है कि बांग्लादेश से सस्ते और सब्सिडी वाले जूट उत्पादों, जैसे धागा, फाइबर और बैग, के आयात से भारतीय जूट उद्योग को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसलिए यह कदम उठाया गया है ताकि भारत के जूट उद्योग को फायदा मिल सके।

IPO के जरिए पैसा जुटाने के लिए इस कंपनी ने फाइल किया DRHP, खाने-पीने का करती है काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैटरिंग एंड फूड चेन रिटेल कंपनी कंपनी फूड लिंक एफएंडबी होल्डिंग्स (इंडिया) ने IPO के जरिए पैसा जुटाने के लिए के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास DRHP दाखिल किया है।

ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, फूड लिंक स्न and B होल्डिंग्स आईपीओ के जरिए मार्केट से 160 करोड़ रुपये जुटाएगी। इतने ही करोड़ रुपये के फ्रेश इक्विटी शेयरों और प्रमोटरों और निवेशकों द्वारा 1,19,53,535 से अधिक के शेयर ऑफर-फॉर-सेल के जरिए कंपनी आईपीओ के तहत जारी करेगी।

प्रमोटर के पास कितनी हिस्सेदारी- Foodlink F&B Holdings कंपनी के प्रमोटर अंकिता चुघ, ट्रांस ग्लोबल होटल्स एलएलपी और संजय मनोहर वजीरानी इस IPO में ऑफर फॉर सेल के जरिए अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। फूडलिंक एफएंडबी होल्डिंग्स में प्रमोटरों की हिस्सेदारी 63.4 प्रतिशत है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पिकनिक मनाने निकले थे दोस्त, एक पानी में डूबा, मौत

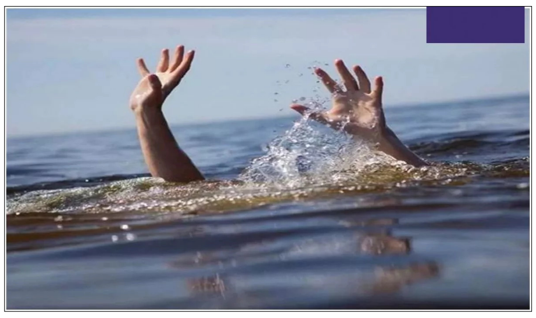

खंडवा। घर से झूठ बोलकर कॉलेज के सात दोस्त हांडी कूंडी पिकनीक मनाने निकल गए। यहां बहते पानी और प्राकृतिक नजारों की रिल बना रहे थे। इतने में दो दोस्त पानी के पास सेल्फी लेने पहुंच गए। जिसमें से एक का पैर फिसलने से वह पानी में जा पहुंचा। दूसरा दोस्त उसे बचाने में पानी में कूदा लेकिन बचा नहीं पाया और मौत हो गई। स्वजन ने दोस्तों पर ही युवक को मारकर फेंकने के आरोप लगाए। जावर थाना पुलिस ने मामला जांच में लिया है। शव का पीएम जिला अस्पताल में करवाया गया।स्वजन बोले-दोस्तों ने मारकर फेंका

घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की है। जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय गौतम पुत्र घनश्याम निवासी सेमलिया अपने छह दोस्तों के साथ पिकनीक मनाने हांडी-कूंडी पहुंचा था। गौतम के मामा, पुनमचंद सिसौदिया ने बताया कि घर से बगैर बताए काम का कहकर निकला था। दोपहर में हमें सूचना मिली कि इस तरह का हादसा हुआ है। वहीं गौतम के स्वजन ने आरोप लगाया कि उसके दोस्तों ने गौतम को मारकर पानी में फेंक दिया।

मृतक गौतम के साथ हांडी-कूंडी पहुंचे उसके साथी सुयष ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे निकले थे। हमें सायबर सेल में एक शिकायत करनी थी, हम थाने जाने वाले थे, लेकिन रविवार होने से गए नहीं, इतने में हमारे साथी भी खंडवा आए और फिर हमारा प्लान हांडी-कूंडी जाने का बन गया। हम सात लोग थे, रिल और फोटो खींच रहे थे। तभी गौतम और रितेश पानी के पास पहुंचे। गौतम सेल्फी ले रहा था, इतने में उसका पैर फिसला और वह पानी में गिर गया।

दोस्तों ने बताया कि जैसे ही गौतम पानी में गिरा, रितेश चिल्लाया और पानी में उसके पीछे कूद गया। हम पांच लोगों को तैरना नहीं आता था, इसलिए हम ग्रामीणों को आवाज दे रहे थे, थाने और एंबुलेंस वालों को फोन लगाया। दोनों को बचाने के लिए हमने रुमाल फेंका। रितेश ने रुमाल थाम लिया, लेकिन गौतम को सिर में चोट होने से वह बेसूध हो गया था और रुमाल पकड़ नहीं पा रहा था, एक हाथ से रितेश ने उसे थामा, लेकिन वह छूटकर आगे निकल गया।

कुछ देर बाद गांव के दो लोग पानी में गए और उसे बाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मारकर फेंकने के आरोप के संबंध में साथियों ने कहा कि हम लोग बचपन से साथ में रह रहे हैं। हमारी उससे कोई दुश्मनी नहीं थी, अचानक हादसा हो गया, हमने उसे बचाने का पूरा प्रयास भी किया।

पानी की टंकी पर चढा नशेडी, पुलिस ने बचाया

देवास। अंचल के नगर सतवास में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब नशे की हालत में एक युवक पानी की टंकी के ऊपर चढ़ गया और चिल्लाने लगा। घटना सतवास के जतरा मैदान स्थित पानी की टंकी की है। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई और पुलिस को सूचना दी गई।युवक को बातों में उलझाकर पकड़ा

थाना प्रभारी बीडी बीरा ने सूचना मिलते ही थाने से बल को रवाना किया। आरक्षक राजेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा सिविल ड्रेस में पानी की टंकी पर ऊपर चढ़कर बहुत ही सतर्कता और सूझबूझ से युवक को बातों में उलझाकर उसके नजदीक पहुंचकर पकड़ा। प्रधान आरक्षक रविराव जाधव एवं आरक्षक घनश्याम परमार द्वारा युवक को पानी की टंकी से नीचे उतारा गया।

पारिवारिक मामले में परेशान था युवक यहां से युवक को सतवास पुलिस थाने ले जाया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम मुकेश पुत्र उमाशंकर पलासिया निवासी सतवास बताया। उसने पारिवारिक मामले में परेशान होने के बारे में भी बताया। युवक काफी ज्यादा नशे में था, ऐसे में उसे स्वजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

सतवास पुलिस थाना प्रभारी बीरा ने बताया उनकी ड्यूटी खातेगांव क्षेत्र में मंत्री विजय शाह के दौरे में लगी हुई है। जैसे ही सतवास की घटना के बारे में पता चला वैसे ही पुलिस टीम को निर्देशित किया और कहा कि पानी की टंकी के ऊपर कोई भी स्टाफ यूनिफॉर्म में ना चढ़े। पुलिस को देखकर संबंधित युवक नीचे कूद सकता था या फिर कुछ और हंगामा खड़ा कर सकता था।

बीयू ने 10 कॉलेजों को भेजा नोटिस, कई प्रोफेसरों के नाम एक से ज्यादा कॉलेज में दर्ज

भोपाल। बरकतउल्लाह विश्व विद्यालय में प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर फर्जीवाड़े के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। बीयू से संबद्ध 45 निजी कॉलेजों द्वारा प्रोफेसरों की भर्ती को लेकर किए जा रहे फर्जीवाड़े को लेकर उनकी संबद्धता समाप्त भी की जा सकती है। इसमें राजधानी के 10 निजी कॉलेजों के भी नाम हैं।

इसमें एमके पोंडा कॉलेज, आइएसकाम कॉलेज, आनंद विहार महिला कॉलेज, राजीव गांधी विधि कॉलेज, टीआइटी कॉलेज, राजगढ़ का आदर्श महाविद्यालय सहित अन्य बीएड, एमबीए और विधि पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कॉलेज हैं, जो प्रोफेसरों की भर्ती में फर्जीवाड़ा कर रहे हैं।

बता दें कि बीयू प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने निजी कालेजों से फैकल्टी का डेटा वेबसाइट पर अपलोड कराया। इसके बाद कालेजों द्वारा यह फर्जीवाड़ा सामने आया कि एक प्रोफेसर का नाम दो कॉलेज में है। वहीं कुछ प्रोफेसर उस कॉलेज में पढ़ा नहीं रहे हैं, लेकिन उनका नाम फैकल्टी की सूची में दर्ज है। इसके लिए बीयू ने न्यायाधिकरण भी गठित किया।

इसके अध्यक्ष डॉ. एसके मल्होत्रा ने करीब 20 कॉलेजों को नोटिस देकर जवाब मांगा है। इसका निराकरण करने के लिए दो दिन सुनवाई हुई है। इसमें करीब 10 कॉलेज उपस्थित नहीं हुए। बीयू ने उन्हें नोटिस देकर जवाब-तलब किया है। अगर ये कॉलेज उचित जवाब नहीं देते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए संबद्धता समाप्त होने के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग से उनके खिलाफ मान्यता खत्म करने की अनुशंसा की जाएगी। -इस तरह का फर्जीवाड़ा हुआ

कई कालेजों में विद्यार्थी का नाम फैकल्टी की सूची में शामिल है।

एक प्रोफेसर का नाम तीन कॉलेज में दर्ज है।

साक्षात्कार में बुलाए गए प्रोफेसरों के दस्तावेजों का भी फैकल्टी के रूप में उपयोग किया जा रहा है।जो प्रोफेसर कुछ समय पहले कॉलेज छोड़ चुके हैं, इसके बावजूद उनका नाम कॉलेज की फैकल्टी सूची में दर्ज है।

कुछ कॉलेज फैकल्टी की सूची में प्रोफेसरों के नाम दर्ज किए हैं, वे पढ़ा रहे हैं, लेकिन उनको वेतन नहीं दिया जा रहा है। निजी कॉलेज यूजीसी गाडडलाइन के मुताबिक फैकल्टी को वेतन नहीं दे रहा है।पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर लगाए आरोपप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने भाजपा सरकार पर घोटालों का आरोप लगाते एक्स पर पोस्ट किया है कि मध्य प्रदेश में प्रतिदिन एक नया घोटाला सामने आता है। अब तो इतने घोटाले हो चुके हैं कि प्रदेश में अलग से घोटाला जांच आयोग की स्थापना कर देनी चाहिए। बस इतनी सावधानी जरूर रखी जाए कि इस आयोग के गठन में ही घोटाला न हो जाए।

उन्होंने लिखा है कि घोटाला जांच आयोग की बात इसलिए कह रहा हूं कि नर्सिंग कॉलेज घोटाले के बाद अब बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय में फैकल्टी भर्ती में घोटाला सामने आया है। एक ही व्यक्ति को कई-कई कालेजों में नियुक्त दिखाया जा रहा है।

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न एजुकेशन, मैनेजमेंट, ला और फिजिकल एजुकेशन कालेजों में फर्जी नियुक्ति के कई मामले सामने आए हैं। जिन कालेजों ने फर्जी फैकल्टी दिखाई है, असल में वहां पढ़ाई कैसे होती होगी? क्या इस तरह के कालेजों से पढ़े छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं किया जा रहा है? प्रदेश में चाहे नर्सिंग कॉलेज हो, पटवारी भर्ती हो, चाहे आरक्षक भर्ती हो, हर जगह किसी की जगह कोई दूसरा व्यक्ति या तो परीक्षा दे देता है या फिर नौकरी करने लगता है? ऐसा लगता है जैसे प्रदेश में घोटाले का एक पूरा तंत्र काम कर रहा है।कॉलेजों की संबद्धता होगी समाप्त

वहीं इस फर्जीवाड़े को लेकर बीयू के कुलगुरु एसके जैन का कहना है कि फर्जीवाड़ा करने वाले निजी कॉलेजों की संबद्धता समाप्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। दोबारा फर्जीवाड़ा करने वाले निजी कालेजों के खिलाफ एफआइआर तक दर्ज कराई जाएगी।

यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं कर रहे, तो ऐसे कर सकते हैं केस

जबलपुर। हमारे कानून में बुजुर्गों को कई अधिकार दिए गए हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में बुजुर्ग इसका फायदा नहीं उठा पाते हैं। सामान्यत- हम मानकर चलते हैं कि बुजुर्ग माता-पिता संतान के खिलाफ भरण पोषण का वाद दायर नहीं कर सकते, लेकिन ऐसा नहीं है। कानूनन प्रत्येक माता-पिता को अपने बच्चों से भरण पोषण पाने का अधिकार होता है। बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं कर रहे हैं तो माता-पिता उनके खिलाफ न्यायालय में प्रकरण दर्ज करवा सकते हैं।

यदि बच्चे देखभाल नहीं कर रहे हैं, तो बुजुर्ग माता-पिता वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण कल्याण अधिनियम के तहत एसडीएम न्यायालय में प्रकरण दर्ज करा सकते हैं। न्यायालय अधिकतम दस हजार रुपये तक भरण पोषण देने का आदेश संतान को दे सकता है। बुजुर्गों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निश्शुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करे का अधिकार भी होता है।एसडीएम न्यायालय में कर सकते हैं आवेदन बता दें कि माता-पिता को वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण अधिनियम की धारा 24 में भरण पोषण दिलाए जाने का प्रविधान किया गया है। इसके लिए संबंधित एसडीएम न्यायालय में आवेदन देना होता है। न्यायालय प्रकरण की परिस्थितियों के अनुसार संतान को आदेश दे सकता है कि वे एक निश्चित राशि भरण पोषण के रूप में माता-पिता को हर माह दें।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नगदी रहित उपचार की व्यवस्था

कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम- 2025 के क्रियान्वयन में इंदौर को बनाया जायेगा मॉडल जिला

इंदौर। इंदौर जिले में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नगदी रहित उपचार की व्यवस्था की गई है । कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि इसके लिए लागू'कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम-2025' के क्रियान्वयन में इंदौर को मॉडल जिला बनाया जाएगा।

सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित और निश्शुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम-2025' लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत अब सड़क दुर्घटनाओं में घायल किसी भी व्यक्ति का इलाज इंदौर के अस्पतालों में नगदी रहित (कैशलेस) रूप से किया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा डेढ़ लाख रुपये तक होगी। योजना क्रियान्वयन के लिए इंदौर के अधिकांश अस्पतालों ने अपने पंजीयन करा लिये है।

इस क्रम में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज जिले के अस्पताल संचालकों की बैठक ली। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.योगेश भरसट भी विशेष रूप से मौजूद थे। उन्होंने अस्पताल संचालकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और योजना क्रियान्वयन के संबंध में दिशा निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायल सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित और निश्शुल्क उपचार उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। पंजीयन से शेष अस्पताल संचालकों से कहा गया है कि अतिशीघ्र अपना पंजीयन करा लेवें। उन्होंने अस्पताल संचालकों से आग्रह किया कि वे स्कीम के तहत चिन्हित प्रक्रिया का पालन करें तथा जिला सड़क सुरक्षा समिति के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। सभी संबंधित विभागों, अस्पतालों एवं संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे 'कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम-2025' का पालन सुनिश्चित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में घायल प्रत्येक व्यक्ति को शीघ्र और समुचित उपचार उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि घायलों का समय में इलाज और मदद देना राज्य शासन की प्राथमिकता है। केंद्र शासन की उपरोक्त योजना के अलावा राज्य शासन ने राहवीर योजना भी लागू की है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्तियों को 25 हजार रुपये दिए जाएंगे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि पंजीयन से शेष अस्पताल आगामी दिनों में अतिशीघ्र अपना पंजीयन करवा ले।

बैठक में बताया गया कि इस योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति मोटरयान दुर्घटना में घायल होता है, तो उसे अधिकतम सात दिनों तक निर्दिष्ट अस्पताल में नगदी रहित उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। दुर्घटना के उपरांत किसी अन्य अस्पताल में केवल स्थिरीकरण प्रक्रिया के लिए ही उपचार की अनुमति होगी, इसके बाद मरीज को उपचार हेतु निर्दिष्ट अस्पताल में स्थानांतरित किया जाएगा। योजना अंतर्गत प्रति पीड़ित को अधिकतम डेढ़ लाख तक का नगदी रहित उपचार प्रदान किया जाएगा। योजना के सुचारु क्रियान्वयन हेतु मोटर यान अधिनियम-1988 की धारा-215(3) के अंतर्गत गठित जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी।

अधिक वर्षा/बाढ़ की आशंका हो तो डूब प्रभावित क्षेत्र में सायरन बजाकर मुनादी करा दी जाये- संभागायुक्त

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में बाढ़/अतिवृष्टि से बचाव को लेकर संभागायुक्त कार्यालय में आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। समीक्षा बैठक में इंदौर संभाग के सभी कलेक्टर्स,मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुये। कांफ्रेंस में नगर निगम,इंदौर आयुक्त श्री शिवम वर्मा,संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस.रणदा,उपायुक्त श्रीमती सपना लौवंशी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव हसानी,डिप्टी कमिश्नर श्री ब्रजेश पाण्डे,संयुक्त संचालक चिकित्सा डॉ. पूनम गडरिया, महिला एवं बाल विकास विभाग की क्षेत्रीय संयुक्त संचालक श्रीमती संध्या व्यास,एक्जीक्यूटिव्ह इंजीनियर श्री अमितेष पटोले, आदिम जाति कल्याण विभाग सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभाग के सभी कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों से संभाग के सभी जिलों में बाढ़/अतिवृष्टि से बचाव के लिये किये जा रहे राहत कार्य की प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि इस बार मानसून समय से पहले आया है और इंदौर संभाग के कुछ जिलों में जून माह में औसत से अधिक वर्षा हुई है,इसलिये कई स्थानों पर जल भराव की समस्या उत्पन्न होने से यातायात भी बाधित हुआ है। बैठक में श्री सिंह ने कहा कि जब भी अधिक वर्षा/बाढ़ की आशंका हो तो डूब प्रभावित क्षेत्र में सायरन बजाकर मुनादी करा दी जाये,ताकि आमजन समय रहते सतर्क हो सकें और सपरिवार सुरक्षित स्थान पर पहुंच सकें।

संभागायुक्त कार्यालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर्स कांफ्रेंस आयोजित

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर्स कांफ्रेंस सम्पन्न हुई। कलेक्टर्स कांफ्रेंस में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इंदौर संभाग के सभी कलेक्टर्स,मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुये। कांफ्रेंस में नगर निगम,इंदौर आयुक्त श्री शिवम वर्मा,विकास आयुक्त श्री डी.एस.रणदा,उपायुक्त श्रीमती सपना लौवंशी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव हसानी,डिप्टी कमिश्नर श्री ब्रजेश पाण्डे,संयुक्त संचालक चिकित्सा डॉ. पूनम गडरिया, महिला एवं बाल विकास विभाग की क्षेत्रीय संयुक्त संचालक श्रीमती संध्या व्यास,एक्जीक्यूटिव्ह इंजीनियर श्री अमितेष पटोले, आदिम जाति कल्याण विभाग सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर कांफ्रेंस में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभाग के सभी कलेक्टर्स, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि वे भूमि सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा आदि।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा रक्तदान महाशिविर का आयोजन; रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (मध्यप्रदेश) ने आज शनिवार को द गोल्ड क्लब, अपोलो डीबी सिटी, निपानिया, इंदौर में एक भव्य रक्तदान महाशिविर का आयोजन किया गया, जिसमें शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और रक्तदान के पुण्य कार्य में योगदान दिया। इस अवसर पर संगठन ने सभी रक्तदाताओं को आजीवन सदस्यता और प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके योगदान को सम्मानित किया।

मध्यप्रदेश की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष हुल गुप्ता ने बताया कि रक्तदान को महादान मानते हुए संगठन ने देशभर के विभिन्न शहरों में वृहद रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। इंदौर में इस पुण्य पहल को साकार करने के लिए सभी नागरिकों से रक्तदान करने का आह्वान किया गया। गुप्ता ने कहा, ÷रक्त की कमी से जूझ रहे सरकारी अस्पतालों की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह शिविर एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य समाज सेवा के माध्यम से मानवता की सेवा करना है।

युवा इकाई के उपाध्यक्ष सचिन जैन ने बताया कि प्रत्येक रक्तदाता को अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की आजीवन सदस्यता निःशुल्क प्रदान की गई, साथ ही प्रमाण पत्र और सदस्यता पहचान-पत्र भी भेंट किए गए। उन्होंने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर युवाओं, से इस नेक कार्य में सहभागिता की अपील की, जिससे यह आयोजन और प्रेरणादायक बन सका।

बायपास पर यातायात सुचारू रखने जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी से सक्रिय

इंदौर। जिले में वर्षाकाल के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग और बायपास मार्गों पर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने कमान संभाल ली है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर आज प्रातःकाल से ही जिला प्रशासन,पुलिस,यातायात पुलिस,होमगार्ड, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित संबंधित विभागों के अधिकारी पूरी सक्रियता से कार्य में जुटे हुए हैं।

कलेक्टर श्री सिंह स्वयं स्थिति की लगातार समीक्षा कर रहे हैं और आवश्यक संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की पूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वर्षा के दौरान किसी भी स्थिति में यातायात बाधित न हो और नागरिकों को न्यूनतम असुविधा का सामना करना पड़े।

सांवेर–हातोद क्षेत्र के दो सांदीपनि स्कूल पाल कांकरिया एवं कछालिया पूर्ण रूप से बनकर तैयार

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट,प्राचार्य श्री मेहरबान सिंह यादव एवं सरपंच के अथक प्रयासों से लगभग 16 एकड़ में 25.71 करोड़ रूपये की लागत से नवनिर्मित भवन के रूप में सांवेर को नई सौगात मिलने जा रही है। शासन की महती योजना सांदीपनि विद्यालय जो सी.एम.राइज स्कूल नाम से प्रारंभ हुई थी शिक्षा के क्षेत्र में नींव का पत्थर सिद्ध हो रही है। शिक्षा केवल शहरी क्षेत्र तक सीमित न होकर ग्रामीणों के लिए भी वरदान सिद्ध हो गयी है,जहां पारंपरिक पुराने भवनों के स्थान पर सर्वसुविधायुक्त नई ईमारत, बसों द्वारा घर पहुँच सेवा, प्रशिक्षित शिक्षक, चयनित स्टॉफ, सुरक्षा,कम्प्यूटर, सीसीटीवी, लाईब्रेरी लेब, मीटिंग हॉल कॉफ्रेंस कक्ष, मैस, उद्यान, किचन सुविधाओं से सुसज्जित भवन बच्चों के सर्वांगीण विकास की सीढ़ी बन गये हैं। सांदीप?नि विद्यालय के परीक्षा परिणाम इसके द्योतक है। एक समय जहाँ प्रायवेट स्कूलों का बोलबाला था, वहीं प्रदेश की भाजपा सरकार की दूरदर्शी सोच के कारण आज शिक्षा जगत में मध्यप्रदेश में क्रांति आ गई है। उसी क्रम में ग्राम पाल कांकरिया (सांवेर-हातोद) क्षेत्र का नाम शिक्षा के क्षेत्र में जुड़ने जा रहा है। जहां शासन की इस योजना को संस्था द्वारा बेहतर तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है। सांदीपनि स्कूल पाल कांकरिया मास्टर प्लान के एरिया के बाहर होने से पूर्व में इसके निर्माण में बाधा आ रही थी, किंतु शासन द्वारा इंदौर विकास प्राधिकरण को विशेष अनुमति दिये जाने के उपरांत एक सितंबर,2023 को आईडीए द्वारा इसका निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, जो कि अब पूर्ण रूप से बनकर तैयार है। सांवेर क्षेत्र में ही दो सांदीपनि विद्यालय पाल कांकरिया एवं कछालिया (सांवेर) जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से नवीन भवन में शीघ्र संचालित होने जा रहे हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद इंदौर रेंटल एसोसिएशन का बड़ा कदम, शहर को सुरक्षित, अपराधमुक्त किरायेदारी प्रणाली स्थापित करने का लिया संकल्प

इंदौर। शहर में हाल ही में हुए सनसनीखेज राजा रघुवंशी हत्याकांड ने न केवल लोगों को झकझोरा, बल्कि प्रॉपर्टी डीलरों और मकान मालिकों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। इस घटना में अपराधियों को किराए पर फ्लैट देने में प्रॉपर्टी डीलर और मकान मालिक की संदिग्ध भूमिका सामने आने के बाद, इंदौर रेंटल ब्लॉक एसोसिएशन ने इस गंभीर मुद्दे पर ठोस कदम उठाने का फैसला किया। इसके तहत, शहर के 250 से अधिक मकान मालिकों और प्रॉपर्टी ब्रोकर्स की एक भव्य बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

एसोसिएशन के अध्यक्ष शंकर कुमावत ने बैठक में जोर देकर कहा कि आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों, लव जिहाद जैसे असामाजिक तत्वों को किराए पर मकान या फ्लैट देने से बचना होगा। उन्होंने सभी मकान मालिकों और ब्रोकर्स को किरायेदारों का पुलिस सत्यापन (वेरिफिकेशन), किराया समझौता (एग्रीमेंट) और अन्य औपचारिकताओं को अनिवार्य रूप से पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही, क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और अधिक सतर्कता बरतने की अपील की।

कार्यक्रम का संचालन अमित जैन, यतींद्र मोदी, बबलू कुमावत, राजेंद्र शर्मा, अनंत सोनी और कुलदीप शर्मा ने किया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

इंदौर-उज्जैन जाम की ट्रैफिक अव्यवस्था आमजन की जिंदगी को घंटों जाम में उलझा रही

श्रावण मास में महाकाल दर्शन और कांवड़ यात्राओं के लिए लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे

उज्जैन। उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन सड़क निर्माण परियोजना को लेकर विकास के दावे भले ही तेज हों, लेकिन इसके समानांतर विकराल हो रही ट्रैफिक अव्यवस्था आमजन की जिंदगी को घंटों जाम में उलझा रही है। 1692 करोड़ रुपये की यह सड़क परियोजना 35 प्रतिशत पूरी हो चुकी है, लेकिन निर्माण के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन, मार्ग प्रबंधन और विकल्पों की योजना अधूरी और लापरवाह है। लोगों का कहना है कि उज्जैन-इंदौर रोड यातना का मार्ग बन गया है। श्रावण से पहले सुधार जरूरी है। आवश्यकता शहर के आंतरिक मार्गों पर यातायात प्रबंधन करने की भी है।

मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) द्वारा संचालित इस परियोजना का निर्माण जनवरी 2025 से शुरू हुआ। 25 मीटर चौड़ी सिक्सलेन सड़क दिसंबर 2026 तक पूरी होनी है। इसमें 8 फ्लायओवर, 70 कलवर्ट, नया त्रिवेणी पुल और हरिफाटक से इंदौर तक हाइब्रिड वार्षिकी माडल से निर्माण शामिल है। एप्रोच रोड सीमेंट-कांक्रीट की और मुख्य मार्ग डामर का होगा। रवि इन्फ्राबिल्ड कंपनी द्वारा किए जा रहे इस कार्य में कई स्थानों पर खुदाई, मुरम डालने और सड़क का कंक्रीट बेस नजर आने लगा है, लेकिन जन सुविधा की जिम्मेदारी अभी अधर में है।

इंदौर के अरबिंदो अस्पताल से उज्जैन के महामृत्युंजय द्वार के बीच सड़क , पुल निर्माण चल रहा है। वैकल्पिक मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव है। संकरे डायवर्जन, बिना संकेतक के मोड़, और मुरम बिछे अधूरे रास्ते रोजाना यात्रियों को मानसिक तनाव में डाल रहे हैं। इधर, एमपीआरडीसी के कार्यपालन यंत्री गगन भाबर ने व्यवस्था सुधार के लिए सिक्सलेन परियोजना मार्ग का निरीक्षण कर सुधार के संबंध में चर्चा की।

11 जुलाई से शुरू हो रहे श्रावण मास में महाकाल दर्शन और कांवड़ यात्राओं के लिए लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे। इस दौरान भारी संख्या में पैदल यात्री, बाइक राइडर्स और बसें इसी मार्ग से गुजरेंगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह मार्ग दुर्घटना और आपात स्थिति का केंद्र बन सकता है। हाल ही में इंदौर-देवास बायपास पर 32 घंटे लंबे ट्रैफिक जाम में तीन लोगों की मृत्यु हुई। यह घटना उज्जैन-इंदौर रोड के लिए एक भविष्य की चेतावनी है।

रोशन किया है फिर यार की यादों का दिया, आयी है जब करीब मेरे काफ़िलों में रात–आशीष अश्क

उज्जैन। दशहरा मैदान रूपांतरण हाल पर आयोजित ग़ज़लांजलि साहित्यिक संस्था की काव्य-गोष्ठी में कविता पाठ प्रारम्भ करते हुए आशीष अश्क ने रोशन किया है फिर यार की यादों का दिया, आयी है जब क़रीब मेरे काफ़िलों में रात... ग़ज़ल पढ़ी तो अवधेश वर्मा नीर ने भारत से अंतरिक्ष की उड़ान में, एक्सिओम चार हेतु जुड़े यात्री... कविता का पाठ किया।

हर इंसान के दिल में गर इंसानियत आ जाए, यकीं मानिए जमीं पर उतर कर जन्नत आ जाए... ग़ज़ल पर कर डॉ. विजय सुखवानी ने वाह पायी। जीवन में पुरषार्थ का होता है सम्मान, नर होना ही मात्र तो, नहीं बड़ी है शान.... दोहे पढ़े। दिलीप जैन ने हो न कभी संदिग्ध आचरण मेरा, और न कभी डगमगाए चरण मेरा...कविता पढ़ी। देश में घुस आये विदेशियों पर प्रफुल्ल शुक्ला सरकार ने अपने मनमाफिक विधान मांगेंगे, उनकी मर्जी से चलने वाला प्रधान मांगेंगे...कविता पढ़ी। वर्षा ऋतु के अनुरूप कविता पहाड़ के पेड़ की डाली पर बैठा चातक, आषाढ़ की पहली स्वाति बूंद के लिए... अक्षय चवरे द्वारा पढ़ी गयी। ज़िन्दगी की दौड़ मेंब तुम कारवाँ साबित हुए, तुम तो आगे बढ़ गये, मैं धूल पीछे को उड़ा... गीत विजयसिंह गहलोत साकित ने सुनाया। रामदास समर्थ ने गुड़हल के पुष्प पर रची कविता कभी गुड़हल फूल कभी गुड़हल जवाकुसुम... सुनाकर सबका दिल जीत लिया। ग़ज़ल वो आए बज़्म में इक बर्क सी लहर आई है, खिज़ां के दौर में जैसे बहार आई है...डॉ. अखिलेश चौरे ने पढ़ी। जब तलक साँसों का सफ़र जारी है, कदम-कदम इम्तिहान की बारी है... ग़ज़ल शायर आरिफ़ अफ़ज़ल ने पढी। कार्यक्रम के अंत में डॉ. श्रीकृष्ण जोशी का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

ज्योतिषाचार्य अर्चना सरमंडल 'तंत्र शिरोमणी अवॉर्ड' से सम्मानित

उज्जैन। अहमदाबाद में आयोजित ज्योतिष महाकुंभ में उज्जैन की ज्योतिषाचार्य बगलामुखी साधिका अर्चना सरमंडल को तंत्र शिरोमणी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

28 एवं 29 जून को आयोजित दो दिवसीय ज्योतिष महाकुंभ में ज्योतिषाचार्य अर्चना सरमंडल ने अपनी थीसिस प्रस्तुत की। मुख्य आयोजक मिता जानी रहे। बगलामुखी साधिका अर्चना सरमंडल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बावर्ची कैफे,मेघदूत पंजाबी ढाबा,अक्कीस बेकर्स से नमूने लेकर कार्यवाही की

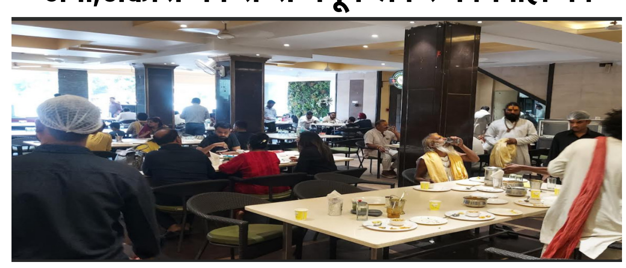

उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर ज़िला खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार निरीक्षण एवं नमूना कार्यवाही की जाती है एवं उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जाती है। विभाग द्वारा प्राप्त शिकायत पर कार्यवाही करते हुए बाबर्ची कैफे एण्ड रेस्ट्रो, आजाद नगर देवास रोड़ उज्जैन से ग्रेवी एवं सेव टमाटर की सब्जी के नमूनें, मेघ्रदूत पंजाबी ढ़ाबा, इंदौर रोड़ उज्जैन से ग्रेवी एवं तैयार दाल के नमूने, अक्कीस बीएफएफ (अक्कीस बेकर्स एण्ड फास्ट फूड प्राईवेट लिमिटेड) महाकाल रोड़ उज्जैन से समोसा का नमूना लिया जाकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये एवं अनियमितताएँ पाये जाने पर नोटिस जारी कर 03 दिवस में व्यवस्थाएँ ठीक करने के निर्देश दिये गये, पालन न करने की दशा में लायसेंस निलंबन की कार्यवाही की जावेगी।

लायंस क्लब उज्जैन क्लासिक के संस्थापन समारोह में हुआ सेवा सम्मान

उज्जैन। लायंस क्लब उज्जैन क्लासिक का वार्षिक सेवा सम्मान एवं संस्थापन समारोह भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर संस्थापन अधिकारी एवं मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय (निर्वाचित) एमजेएफ लायन डॉ. पंकज मारू उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में लायन संजय अग्रवाल नगर अध्यक्ष, भाजपा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने प्रेरणादायक संबोधन में मुख्य अतिथि लायन डॉ. पंकज मारू ने कहा कि लायन साथियों को विशेष रूप से दिव्यांगजनों की सहायता हेतु आगे आना चाहिए। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को मोबाइल की लत से दूर रखें, क्योंकि अत्यधिक मोबाइल उपयोग से नेत्र रोगों के साथ-साथ मानसिक विकार भी उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने बच्चों को संस्कारों से जोड़ने और डिजिटल संयम अपनाने की अपील की। विशेष अतिथि लायन संजय अग्रवाल ने भी अपने संबोधन में लायनवाद की भावना के तहत गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा के साथ-साथ समाज में फैल रही विकृतियों को समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर क्लब द्वारा दो सेवा गतिविधियाँ भी सम्पन्न की गईं। लायन रविंद्र वि. मुले द्वारा स्नेह संस्था, नागदा के दिव्यांग बच्चों के लिए लगभग 100 कॉपियां लायन डॉ. पंकज मारू को भेंट की गईं, जो संस्था को सौंपी जाएंगी। लायन अजय भातखंडे के सौजन्य से संजय जोशी एवं नीता जोशी द्वारा अपने माताजी की स्मृति में, लायंस क्लब उज्जैन क्लासिक द्वारा संचालित मेडी बैंक को एक सीपीएपी मशीन एवं एक एयर बेड दान स्वरूप प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान अध्यक्ष लायन रजनीश व्यास द्वारा वर्ष भर उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले क्लब सदस्यों को अभिनंदन पत्र एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। लायन संजय अग्रवाल को भाजपा नगर अध्यक्ष नियुक्ति पर, लायन संजीव गंगवाल को नेत्रदान हेतु योगदान, लायन अजय भातखंडे को पर्यावरण संरक्षण हेतु, लायन लोकेन्द्र भूतड़ा को मेडिबैंक सेवा हेतु, लायन रविंद्र वि. मुले को सर्वश्रेष्ठ सचिव के रूप में सम्मानित किया गया। अभिनंदन पत्रों का वाचन लायन गगन खत्री एवं लायन राजशेखर शर्मा द्वारा किया गया। इस

उज्जैन के पावर लिफ्टरों ने सिद्ध किया उम्र एक नंबर है

उज्जैन। मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय इक्विप्ड/क्लासिक महिला पुरुष मास्टर्स चैंपियनशिप का आयोजन मध्य प्रदेश पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में इंदौर कॉरपोरेशन पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया।

उज्जैन जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जय सिंह यादव एवं सचिव कमल नंदवाना द्वारा संयुक्त रूप से बताया गया कि उक्त चैंपियनशिप में पूरे प्रदेश से 39 साल से अधिक उम्र के करीब 152 खिलाड़ियों ने भाग लिया। उज्जैन जिले से पुष्पा चौहान ने गोल्ड मेडल, मोहम्मद इमरान (आजम) सिल्वर मेडल, रविंद्र सिंह नीर, अजय कुमार चंदवानी सिल्वर मेडल, गुलरेज खान सिल्वर मेडल प्राप्त कर उज्जैन का नाम प्रदेश में गौरवांवित किया। इस स्वर्णिम अवसर पर संस्था प्रमुख नरेंद्र मालवीय, बलराम यादव, शोएब कुरैशी, आनंद सोलंकी, अनिल चावंड, अभिषेक सिंह राठौर, अरविंद शुक्ला, अजय जाधव, परवेज मोहम्मद, उमेश पवार, सज्जाद हुसैन, लखन पोरवाल, विकास जादौन, मयंक जोशी आदि द्वारा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं बधाइयां दी गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com